दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अगस्त-2023

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website	: www.dnpgcollege.edu.in	**Helpline Email**	: dnpgonline@gmail.com
Office Email	: dnpggkp@gmail.com	**Contact Number**	: 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अगस्त-2023

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

August-2023

कार्यक्रम विवरण-

क्र. सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	06.08.2023 रविवार	हिन्दी विभाग	पुस्तक का लोकार्पण	1–2
2	06.08.2023 रविवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	2–3
3	10.08.2023 गुरुवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग	मेरी माटी मेरा देश	3
4	12.08.2023 शनिवार	महाविद्यालय	वसुधा–वन्दना कार्यक्रम	4
5	12.08.2023 शनिवार	पुस्तकालय	राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस	5
6	14.08.2023 सोमवार	महाविद्यालय	शिलाफलकम्	6
7	14.08.2023 सोमवार	राजनीति विज्ञान विभाग	संगोष्ठी का आयोजन	7
8	15.08.2023 मंगलवार	महाविद्यालय	स्वतंत्रता दिवस समारोह	7
9	23.08.2023 बुधवार	हिन्दी विभाग	गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती	8

August-2023

10	24.08.2023 गुरुवार	बी.एड. एवं शिक्षाशास्त्र विभाग	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का उद्घाटन समारोह	9–10
11	25.08.2023 शुक्रवार	प्राचीन इतिहास एवं अंग्रेजी विभाग	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का द्वितीय दिवस	10–11
12	26.08.2023 शनिवार	समाजशास्त्र एवं हिन्दी विभाग	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का तृतीय दिवस	11–12
13	27.08.2023 रविवार	विज्ञान संकाय	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का चतुर्थ दिवस	12–13
14	28.08.2023 सोमवार	वाणिज्य संकाय	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का पंचम दिवस	13–14
15	29.08.2023 मंगलवार	भूगोल एवं अर्थशास्त्र विभाग	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का छठवें दिवस	14–15
16	30.08.2023 बुधवार	राजनीति विज्ञान एवं रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का समापन दिवस	15–16

August-2023

साहित्यार्चन हिन्दी विभाग द्वारा कार्यक्रम

दिनांक 6 अगस्त 2023 **को साहित्यार्चन हिन्दी विभाग एवं गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान** में **श्री जय प्रकाश पाण्डेय, निदेशक, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली** के पुस्तक **'पगडंडी में पहाड़'** का लोकार्पण हुआ। समारोह में बीज वक्तव्य करते हुए **प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव** ने उक्त पुस्तक के सांस्कृतिक यात्रा वृतांत के बारे में परिचय देते हुए कहा कि यह पुस्तक पाठकों को निश्चित रूप से ज्ञानात्मक उर्जा प्रदान करेगी।

पुस्तक के लेखक श्री जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि प्रकृति हमारी सच्ची शिक्षक है। मसूरी के एब्रो स्कूल में 600 छात्रों के बीच कार्य करना हमें प्रकृति से काफी करीब लाया और इस यात्रा वृतांत ने हमें इस पुस्तक के लेखन के प्रति प्रोत्साहित किया।

विशिष्ट वक्ता डॉ. मुकेश कुमार मिश्र ने पुस्तक के 18 अध्यायों के लेखन पर सम्यक प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में कुमायूं व गढ़वाल की संस्कृति विशेष महत्व रखती है। **मुख्य कार्मिक अधिकारी एन.ई. रेलवे श्री अवधेश कुमार** ने उक्त पुस्तक के उपर प्रकाश डालते हुए रामचरित मानस एवं रामायण के साहित्यिक प्रभावों का भी उल्लेख किया। **मुख्य वक्ता प्रो. सिद्धार्थशंकर त्रिपाठी, हिन्दी विभाग जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा** ने पुस्तक के बारें में बताते हुए कहा कि प्रकृति में विचित्रता व विविधता है जिसे लेखक ने बड़े ही सम्यक ढंग से रेखांकित किया है।

Aug 2023

उ.प्र. हिन्दी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने कहा कि पहाड़ के कठिनाईयों भरे जीवन से विद्यार्थियों को सीख लेनी चाहिए। भारतीय संस्कृति में पर्यटन से ज्यादे तीर्थाटन का महत्व रहा है, जो हमें जीवन में एक नई चेतना का बोध कराती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि साहित्य सौन्दर्य केन्द्रित सृजन करता है। यात्रा संस्मरण द्वारा सृजित इतिहास बोध के माध्यम से हम भारत के सांस्कृतिक सौन्दर्य बोध को देख सकते है।

कार्यक्रम का आभार ज्ञापन डॉ. विभा सिंह ने एवं संचालन डॉ. गोपेश्वर दत्त पाण्डेय ने किया।

हिरोशिमा दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 6 अगस्त 2023 को महाविद्यालय के **रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग** द्वारा **'हिरोशिमा दिवस'** के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य वक्ता एवं अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर** थे उन्होने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान समय में परमाणु हथियार संपूर्ण सृष्टि के विनाश का सामर्थ्य रखते हैं इनका गलत हाथों में पहुंचना किसी एक देश की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती ही नही उत्पन्न करता अपितु संपूर्ण सृष्टि के विनाश के लिए उत्तरदायी हो सकता है।

उक्त अवसर पर परमाणु हथियारों की विनाशकता पर प्रकाश डालते हुए **रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय के प्रभारी डॉ राम प्रसाद यादव** ने कहा कि नाभिकीय हथियार युद्ध से

August 2023

ज्यादा प्रतिरोधकता के लिए प्रयोग किए जाते हैं जिसके कारण उनकी संख्या तथा उन्हें प्राप्त करने वाले देशों में बढ़ोत्तरी होने की संभावना अत्यधिक होती है।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 10.08.2023 को महाविद्यालय में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा निर्गत शासनादेश के तत्वाधान में ''मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में अपना विचार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि अगस्त माह न केवल इसलिए महत्वपूर्ण है कि भारत को आजादी प्राप्त हुई थी अपितु इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि 09 अगस्त 1925 को काकोरी घटना के माध्यम से क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों को यह अवगत कराया था कि अब उनका धन तथा वे स्वयं भारत में सुरक्षित नही है। साथ ही उन्होंने कहा कि 08 अगस्त 1942 से 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आन्दोलन की शुरूआत हुई थी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. राम प्रसाद यादव ने कहा कि आजादी प्राप्त करने के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों के हम सभी आजीवन ऋणी रहेगें।

इस अवसर पर प्राचार्य द्वारा छात्र/छात्राओं को पंच प्रण–शपथ दिलाई गई तथा राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत का आयोजन किया गया।

August 2023

'वसुधा-वन्दन' कार्यक्रम

दिनांक 12.08.2023 को महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा निर्गत शासनादेश के तत्वावधान में **''मेरी माटी, मेरा देश''** कार्यक्रम के अन्तर्गत **'वसुधा–वन्दन' कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पौधरोपण के माध्यम से वंसुधा–वन्दन भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रही है। पौधरोपण करके हम न केवल इस धरा के प्रति अपने कतर्व्यों का पालन कर रहे है।

इस अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने कहा कि पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में वनस्पतियों का अत्यधिक महत्व है। अधाधुंध पेड़ों के कटाई, औद्योगिकरण, शहरीकरण और बढ़ती हुई जनसंख्या ने इस संतुलन को बिगाड़ने का कार्य किया है।

इस अवसर पर **महाविद्यालय के शिक्षक–कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने पौधरोपण कर 'वसुधा–वन्दन' कार्यक्रम** में अपनी सहभागिता की।

पदमश्री एस. आर. रंगनाथन जी की मनाई गई 131वीं जयन्ती

दिनांक 12.08.2023 को राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस 12 अगस्त को महाविद्यालय में पदमश्री डॉ. शियाली रामामृत रंगनाथन की 131वीं जयन्ती मनायी गयी उक्त कार्यक्रम में बोलते हुए **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने डॉ. रंगनाथन के बारे में कहा कि वह महान** लाइब्रेरियन और गणितज्ञ थे, जिन्हें भारत में पुस्तकालय विज्ञान और सूचना विज्ञान का जनक माना जाता है।

नवीन कुमार सिंह, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने कहा कि हम जाति, पंथ या धर्म से परे राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाते हैं, अगर आप पढ़ेंगे तो अपने ज्ञान को जीवित रखेंगे, क्योंकि पढ़ने से खुद को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है जो पढ़ता है वह ज्ञान प्राप्त करता है।

इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रो. शशि प्रभा सिंह, डॉ. विवेक कुमार शाही, डॉ. त्रिभुवन मिश्र श्री अजय यादव, श्री अश्वनी श्रीवास्तव, श्रीमती अंजली सिंह, श्रीमती अमिता रावत, श्री अनिल तथा छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहें।

August 2023

''मेरी माटी, मेरा देश'' कार्यक्रम के अन्तर्गत 'शिलाफलकम्' की स्थापना

दिनांक 14.08.2023 को महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा निर्गत शासनादेश के अनुपालन के क्रम में **''मेरी माटी, मेरा देश''** कार्यक्रम के अन्तर्गत **'शिलाफलकम्'** की स्थापना महाविद्यालय प्रांगण में की गई।

इस शिलाफलकम् में प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के कथन के साथ भारत के प्रथम चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन रावत जी के संक्षिप्त जीवन परिचय को उत्कीर्ण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जनरल विपिन रावत जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा–दायक रहा हैं।

इस अवसर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने कहा कि जनरल विपिन रावत ने भारतीय सेना के ढाई मोर्चे पर युद्ध लड़ने के लिए तैयार रहने की बात की थी

अखण्ड भारत दिवस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 14.08.2023 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में दिनांक 14.08.2023 को **अखण्ड भारत दिवस** विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसमें प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने छात्र/छात्राओं को उक्त विषय पर जानकारी देते कहा कि आज का दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। आज के दिन भारत के अखण्ड भारत की संकल्पना को साकार किया।

स्वत्रंतता दिवस समारोह का आयोजन

15 अगस्त, 2023 को महाविद्यालय में **77वें स्वतंत्रता दिवस** को ध्वजारोहण के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। राष्ट्रगान के उपरान्त उच्च शिक्षा निदेशक उत्तर प्रदेश का संदेश वाचन किया गया।

सांस्कृतिक समारोह के अन्तर्गत मॉ तुझे सलाम, विजयी भव:, जलवा तेरा जलवा, ऐसा देश है मेरा आदि देश भक्ति गीतों के साथ छात्रों द्वारा प्रस्तुति की गयी।

कार्यक्रम के अन्तर्गत आई.क्यू.ए.सी. के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं आज के विशेष सन्दर्भ में स्वतंत्रता के विभिन्न स्वरूपों पर प्रकाश डाला। **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने विद्यार्थियों का आवाह्न करते हुए उन्होंने राष्ट्रोन्मुखी लक्ष्य निर्धारित करने एवं उस दिशा में प्रयास करने की बात कही।

August-2023

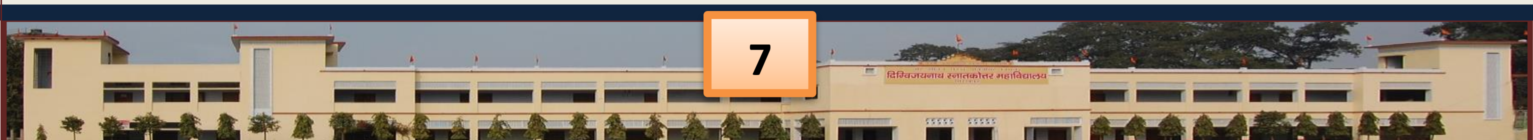

हिन्दी विभाग द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर कार्यक्रम

दिनांक 23.08.2023 को हिन्दी विभाग तथा गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद् गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्राक्तन प्रचारक श्री शारदा प्रसाद ने कहा कि समाज में जब–जब संकट आये हैं, तब ऋषियों ने संकट से उबारने का कार्य किया है। श्रीरामचरित मानस लोकमंगल काव्य है। आदर्श जीवन कैसे जीना चाहिए, इसका मार्गदर्शन हमें मानस से प्राप्त होता है। **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि राम हमारे राष्ट्रीयता** के आधार है। उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन से समाज को संदेश दिया है।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए गोरक्षप्रांत के संघ चालक डॉ. पृथ्वीराज सिंह ने कहा कि मर्यादा का महत्व एक व्यक्ति, राजा या समाज के किसी भी सदस्य के लिए अनिवार्य है। **उक्त कार्यक्रम का संचालन** प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव, प्रभारी हिन्दी विभाग ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का उद्घाटन कार्यक्रम

दिनांक 24.08.2023 को महाविद्यालय में युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बी.एड एवं शिक्षा शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। **कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय** के शिक्षा संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजशरण शाही तथा मुख्य अतिथि डॉ. पृथ्वीराज सिंह, प्रान्त संघचालक, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, गोरक्ष प्रान्त थे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि स्वतंत्र भारत के अमृत महोत्सव से सम्बन्धित कालखण्ड की पृष्ठभूमि में महंत दिग्वियजनाथ स्मृति व्याख्यानमाला महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है एक सराहनीय प्रयास है। यह व्याख्यानमाला भारत के अध्यातमिक चेतना एवं गौरव मूल्यों को रेखांकित करता है। आज का युवा स्वतंत्र भारत में भारतीयकरण के संदर्भ में कार्य कर रहे है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, गोरक्ष प्रान्त के संघचालक डॉ. पृथ्वीराज सिंह, ने नाथ पंथ की शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में योगदान के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कृष्ण, पतंजलि,

बुद्ध तथा गोरख यह चार नाम चारो दिशाओं को प्रकाशित करते है। नाथ पंथ का समाज से जुड़ाव प्राचीन समय से रहा है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारत के गुरूकुलों में व्यक्तित्व के निर्माण की शिक्षा** दी जाती थी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक शाही, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया गया। सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला का संक्षिप्त परिचय डॉ. सुभाष चन्द्र, बी.एड विभाग द्वारा किया गया तथा आभार ज्ञापन प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का द्वितीय दिवस

दिनांक 25.08.2023 को महाविद्यालय में युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के द्वितीय दिवस पर प्राचीन इतिहास एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''वैश्वीकरण के दौर में भारतीय विकास दृष्टि'' वि षय पर व्याख्यान का आयोजन मुख्य वक्ता प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण का वास्तविक लाभ विश्व को तभी मिल सकेगा जब वैश्वीकरण के सही अर्थ को लोग समझेंगे। भारत की सोच प्रारंभ से ही वैश्विक रही है, भारतीय दर्शन में **''वसुधैव कुटुम्बकम''** के आधार पर ही वैचारिकी आगे बढ़ती है। हम सभी को एक परिवार मानते है जो एक–दूसरे के पूरक है। शरीर के सभी अंग अलग–अलग आकार व कार्य करते है परन्तु वे सभी एक साथ मिल

कर सभी की रचना पूरी करते हैं। वास्तव में परिवार हमारे जीवन के विचार का आधार हैं। वैश्वीकरण के मूल में परिवार का जो विचार था वह विचार ही कमजोर हो रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि हमारे ऋषियों एवं मुनियों की दूरदृष्टि पाश्चात्य संस्कृति से बहुत आगे थी। हमारे महापुरूषों के चिन्तन सदैव ही वैश्विक हित में रहे हैं।

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन डॉ. विवेक शाही ने एवं अतिथि परिचय डॉ. पियूष सिंह ने तथा संचालन डॉ. सुभाष चन्द्र द्वारा किया गया और आभार ज्ञापन प्रो. धीरेन्द्र सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का तृतीय दिवस

दिनांक 26.08.2023 को महाविद्यालय में युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के तृतीय दिवस पर समाजशास्त्र एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''मुक्त और दूरस्थ शिक्षा एवं समावेशन'' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. सीमा सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के अन्दर सीखने की क्षमता है, यह शिक्षक का दायित्व है कि वह उसे किस प्रकार सिखाने का कार्य करता है। समावेशी शिक्षा सभी व्यक्तियों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करती है, क्योंकि शिक्षा एक मौलिक अधिकार है और इससे किसी

August 2023

भी व्यक्ति को वंचित नही किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि एक समय था जब महिलाओं एवं वंचितों को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार नहीं था किन्तु वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से सभी शिक्षित हो रहे हैं।

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन एवं संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने एवं अतिथि परिचय प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव ने तथा आभार ज्ञापन प्रो. अर्चना सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का चतुर्थ दिवस

दिनांक 27.08.2023 को महाविद्यालय में युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के चतुर्थ दिवस पर विज्ञान संकाय के तत्वावधान में ''भारतीय ज्ञान परम्परा : समावेशी, एकीकृत वैज्ञानिक दृष्टिकोण'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. हरि बहादुर श्रीवास्तव, कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा आज ही नहीं बल्कि सदियों से मानवीय मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना एवं महान आदर्शो को प्राप्त करने के साथ ही आधुनिकता को अपनाने हेतु तत्पर रही है। तत्कालीन भारत में नालन्दा एवं तक्षशिला

विश्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा के प्रख्यात केन्द्र हुआ करते थे, जहां विद्यार्थी ज्ञान प्राप्ति के साथ ही अपनी संस्कृति व मूल्यों से भी परिचित होता था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. रविशंकर सिंह, अध्यक्ष, भौतिकी विज्ञान, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा किसी एक व्यक्ति द्वारा विकसित नही हैं बल्कि इसमें अनेकों मनीषियों का योगदान है। सनातन संस्कृति वेदान्त प्रधान है जिनमें अनेक विधाएं एवं कलाएं हैं। भारतवर्ष पर बहुत सारे वाह्य आक्रांताओं के शासन के बावजूद भारतीय ज्ञान परम्परा को पूर्णतः नष्ट नही किया जा सका क्योंकि यह ज्ञान हमें सनातन परम्परा द्वारा विरासत में मिला है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा समावेशी, एकीकृत व वैज्ञानिक रही है। जहां पश्चिमी समाज में सिद्धान्तों का प्रतिपादन पारम्परिक ज्ञान का खण्डन करके आया है वहीं भारतीय ज्ञान दर्शन अपनी परम्परा मंडन करके आगे बढ़ा है। **कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन डॉ. अनीता कुमारी ने एवं अतिथि परिचय व संचालन डॉ. नीतिश शुक्ला ने तथा आभार ज्ञापन प्रो. शशि प्रभा सिंह ने किया।**

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का पंचम दिवस

दिनांक 28.08.2023 को महाविद्यालय में युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के पंचम दिवस पर वाणिज्य संकाय के तत्वावधान में ''आधुनिक ज्ञान परम्परा एवं कृत्रिम बुद्धिमता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया थे इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शस्त्र और शास्त्र दोनों में पारंगत होना हमारी संस्कृति रही है। इण्टरनेट,

August-2023

कम्प्यूटर आदि के आगमन से सिखाने की कला एवं सीखने की कला में नई तकनिकी के साथ सामंजस्य बनाने की चुनौती है। विज्ञान और आध्यात्मिकता में सामंजस्य बैठाने की परिणीति ही चन्द्रयान–3 की सफलता है। हम अपनी प्राचीन शैक्षिक गरिमा को बीच के कालखण्ड में भूल गयें, साहित्य व गुरूकुल जैसी संस्थाओं को ध्वस्त कर दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संजीव राय, ओ.एस.डी., राज्यपाल, झारखण्ड सरकार थे इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 20–25 वर्षों में शैक्षिक परिसर में तकनिकी ने पर्याप्त परिवर्तन लाया है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** संस्कार और व्यापार के प्रवाह ने विभिन्न राष्ट्रों को एक दूसरे के सम्पर्क में लाने का कार्य किया। **कार्यक्रम में अतिथि परिचय डॉ. संजय त्रिपाठी ने, विषय प्रवर्तन व संचालन डॉ. अभय कुमार मालवीय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. संजीव सिंह, प्रभारी वाणिज्य विभाग ने किया।**

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का षष्ठम दिवस

दिनांक 29.08.2023 को महाविद्यालय में युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के छठवें दिवस पर भूगोल एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''भारतीय ज्ञान परम्परा और पर्यावरणीय चिन्तन'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिनमें मुख्य अतिथि प्रो. हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि **भारतीय समाज का एक–एक अक्षर मंत्र है और एक–एक तृण औषधि है। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकृति प्रदत्त हैं,** हम प्रकृति से कुछ

प्राप्त करने से पहले उसे देते रहे हैं। हमारी सनातन परम्परा शाश्वत है, भारतीय ज्ञान परम्परा में पर्यावरण संरक्षण के विचार सदैव से विद्यमान रहें हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. ब्रह्मानन्द सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं सदस्य उत्तर प्रदेश वन्य जीव बोर्ड थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने ने कहा कि भारतीय ऋषियों, मुनियों द्वारा प्राप्त ज्ञान के धरोह र को हम पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ा रहे हैं। हमारी नैतिकता, संस्कार व आदर्श सब कुछ प्रकृतिक है, सही अर्थों में प्रकृति ही सम्पूर्ण जगत का नियामक है। पृथ्वी हमारी माता है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि श्रुति, स्मृति तथा लोकाचार भारतीय संस्कृति के आधार हैं। प्रकृति को देव तुल्य मानकर भारतीय समाज सदैव इसकी पूजा करता रहा हैं, प्रकृति के तत्वों के साथ ही पहाड़ों व नदियों के पूजन की हमारी परम्परा रही है। **कार्यक्रम में अतिथि परिचय डॉ. कमलेश मौर्य ने व संचालन डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनिल भाष्कर ने किया।**

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का समापन कार्यक्रम

दिनांक 30.08.2023 को महाविद्यालय में युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के समापन दिवस पर राजनीति विज्ञान व रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। इस

August-2023

अवसर उन्होंने कहा कि दुनिया में गुणात्मक परिणाम बेहतर शोध अध्ययनों से आते है इसलिए हमें अपनी क्षमता को समझते हुए शोध कार्यों को बेहतर करने की जरूरत है। किसी भी समाज में सिस्टम बनाना तो आसान होता है लेकिन उसे संरक्षित रख पाना काफी मुश्किल होता है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य, किसान पी.जी कालेज सेवरहीं, कुशीनगर थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने ने कहा कि योग, दर्शन, चिकित्सा, राजनीति एवं विकास के क्षेत्र में गोरक्षपीठ ने समाज को अप्रतिम योगदान दिया है। यदि इच्छा शक्ति हो तो एक चना भी भाड़ फोड़ सकता है क्योंकि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति से एक व्यक्ति मंजिल के तरफ कदम बढ़ा देता है तो करोड़ों जनचेतना भी उससे जुड़ती चली जाती हैं, इसलिए हमें आगे बढ़ना ही होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. उदय प्रताप सिह, अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विकास की जरूरत होती है।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा सामाजिक रूपांतरण का सबसे सशक्त माध्यम है। अपनी गौरवशाली परम्परा का हमें मात्र अनुपालन ही नहीं करना है बल्कि वैश्विक मानकों के अनुरूप भी स्वयं को साधने की जरूरत है। **कार्यक्रम में अतिथि परिचय डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय, संचालन व आभार ज्ञापन डॉ. विवेक शाही ने किया।**

August-2023